



आयुर्वेद औषधि संहिता भाग-५

(अन्य कल्पना),

२०८१



वागमती प्रदेश सरकार

स्वास्थ्य मन्त्रालय

आयुर्वेद औषधि उत्पादन केन्द्र

रत्ननगर-१, चितवन



Handwritten signatures and initials in blue ink.

Handwritten signature in blue ink.
का.मु प्रमुख सचिव



विषय सूची

क. अन्य कल्पना

| | |
|--|----|
| १. अमृत चिया (Amrita Chiyaa) | १ |
| २. कांजी (Kaanji) | २ |
| ३. कालो मलहम (Kaalo Malahama) | ३ |
| ४. गुलाबी मलहम (Gulaabi Malaham) | ४ |
| ५. टंकण भस्म (Tankana bhashma) | ५ |
| ६. बालामृत (Baalaamrita) | ६ |
| ७. महारासनादि क्वाथ (Mahaaraasnaadi kwaatha) | ८ |
| ८. सेतो मलहम (Seto Malahama) | १० |
| ९. स्फटिक भस्म (Sphatika bhashma) | ११ |
| १०. हरियो मलहम (Hariyo Malahama) | १२ |

ख. अनुसूची

| | |
|---|----|
| Annex 1. Analytical Specifications for Kwatha based Kalpana (Syrup) | १३ |
| Annex 2. Analytical Specifications for Malham Kalpana (Ointment) | १५ |
| Annex 3. Analytical Specifications for Bhasma Kalpana (Calcined drug) | १७ |
| अनुसूची ४. क्वाथ कल्पना | १९ |
| अनुसूची ५. सन्धान | २० |
| अनुसूची ६. चारुनी | २१ |
| अनुसूची ७. शतधीतघृत | २२ |
| अनुसूची ८. अन्य कल्पनामा प्रयोग हुने कच्चा पदार्थ (जडिवुटी) | २३ |
| अनुसूची ९. अन्य कल्पनामा प्रयोग हुने कच्चा पदार्थ (जान्तव) | २५ |
| अनुसूची १०. अन्य कल्पनामा प्रयोग हुने कच्चा पदार्थ (पार्थिव) | २६ |

| | |
|----------------------|----|
| ग. ग्रन्थ सूची | २७ |
|----------------------|----|





डा. राजेन्द्र प्रसाद
अध्यक्ष


का.मु प्रमुख सचि





क. अन्य कल्पना

१. अमृत चिया (Amrit Chiyā)

आयुर्वेद तथा वैकल्पिक चिकित्सा विभाग, कार्यक्रम निर्देशिका २०७८/७९

घटक :-

| क्र.सं. | घटक | वैज्ञानिक नाम/अंग्रेजी नाम | प्रयोज्यार्ह | भाग | प्रतिशत |
|---------|--------|--|--------------|-----|---------|
| १. | गुडूची | <i>Tinospora cordifolia</i> (Willd.) Miers | काण्ड | १ | २० |
| २. | आमलकी | <i>Emblca officinalis</i> Gaertn. | फल | १ | २० |
| ३. | हरितकी | <i>Terminalia chebula</i> Retz. | फल | १ | २० |
| ४. | तुलसी | <i>Ocimum sanctum</i> Linn. | पत्र | १ | २० |
| ५. | बरुण | <i>Crataeva nurvala</i> Buch. Ham. | त्वक् | १ | २० |

आमयिक प्रयोग :- व्याधिशमता बर्धक

मात्रा :- ५० मिलीलिटर दिनको दुई पटक वा चिकित्सकको सल्लाह अनुसार ।

प्याकिड :- १०० ग्राम



[Handwritten signature]
[Handwritten signature]

[Handwritten signature]
 धर्ती महादुर साह
 प्रमुख

[Handwritten signature]
 का.मु. प्रमुख सचिव



२. काञ्जी (Kāñjī)

कुल्माषधान्यमण्डादिसन्धितं काञ्जिकं विद्- ।

शाईधर संहिता मध्यमखण्ड १०/१२

घटक :-

| क्र स | घटक | वैज्ञानिक नाम/अंग्रेजी नाम | प्रयोज्यार्थ | भाग | प्रतिशत |
|-------|------------|--------------------------------|--------------|-----|---------|
| १. | शालि धान्य | <i>Oryza sativa</i> Linn. | बीज | १ | ५० |
| २. | कुलत्थ | <i>Dalichas biflorus</i> Linn. | बीज | १ | ५० |
| ३. | जल | Water | | १६ | |

निर्माण विधी १ :-

सर्वप्रथम शालि धान्य र कुलत्थलाई एउटा ठुलो भाडोमा ८ गुणा पानी राखि पकाउने । कुलत्थ र चामल सिद्ध भएपछि (पाकेपछि) हातले मोलेर सन्धान पात्रमा राख्ने । औषधिको नाम र निर्माण मिति लेखेर १०-१५ दिन सम्म निर्वात स्थानमा राखिछोड्ने । संधान परीक्षोपरान्त छानेर सफा भाडोमा सुरक्षित साथ सङ्कलन गर्ने ।

निर्माण विधी २ :-

माटेको भाडोमा शाली धान्य र पानी राखी भात बनाउने । भात सिद्ध भएपछि ३ गुणा पानी मिलाएर भाडोको मुखबन्द गरी संधान हुन दिने । संधान परीक्षोपरान्त (अमिलो भएपछि) भाडोलाई खोलेर छात्रे र सफा भाडोमा सङ्कलन गर्ने ।


काञ्जीको गुणः दाहनाशक, तृष्णनाशक, कफ तथा वायुनाशक । यसको गण्डुप धारण गर्नाले मुखविरसता एवं दुर्गन्ध नाश हुन्छ ।

मात्राः यथा आवश्यक वा चिकित्सकको सल्लाह अनुसार

प्याकिङ्गः ५ लिटर


RAJU




राजी राई
राजि


का.मु प्रमुख



३. कालो मलहम (Kālo Malahama)



आयुर्वेद सार संग्रह

घटक :-

| क्र स | घटक | वैज्ञानिक नाम/अंग्रेजी नाम | प्रयोज्यता | भाग | प्रतिशत |
|-------|---------|----------------------------------|------------|-----|---------|
| १. | तिल तेल | Sesame oil | | १६० | |
| २. | सिन्दुर | Vermilion (Red mercury sulphide) | | ८० | |
| ३. | कर्पूर | Camphor | | २ | |
| ४. | तुत्थ | Copper sulphate | | १ | |

निर्माण विधि :- सर्वप्रथम एउटा कराहीमा मुर्च्छित तिलको तेल तताउने । तेजबाट धुँवा आउन थालेपछि सिन्दुरको सूक्ष्म चूर्णलाई सावधानी पूर्वक चलाएर मिसाउने । मिश्रणको रंग कालो भएपछि परिक्षोपरान्त (मिश्रणको २-४ थोपा कर्चौरामा राख्दा मलहम पानीमा डुबेन र गोली बन्न योग्य हुन्छ) आगोबाट हटाएर त्यसमा कर्पूर तथा निलोतुत्थको सूक्ष्म चूर्ण राम्रोसंग मिसाएर उपयुक्त भाडोमा सुरक्षित राख्ने ।

उपयोग :- कटीत व्रण, व्रणशोधन, व्रणरोपक ।

मात्रा :- यथा आवश्यक वा चिकित्सकको सल्लाह अनुसार ।

प्याकिङ :- १० ग्राम

सावधानी :- बाह्य प्रयोगको लागि मात्र ।



[Handwritten signature]
[Handwritten initials]

[Handwritten signature]
 कृषी विज्ञान संस्थान
 काठमाडौं

[Handwritten signature]
 का.मु प्रमुख सचिव

४. गुलाबी मलहम (Gulābi Malahama)



जायुर्वेद सार संग्रह

घटक :-

| क्र स | घटक | वैज्ञानिक नाम/अंग्रेजी नाम | प्रयोज्यता | भाग | प्रतिभात |
|-------|------------|----------------------------------|------------|-----|----------|
| १. | शतघाँत घृत | Processed ghee | | २० | |
| २. | पुष्पाञ्जन | Zinc oxide | | २ | |
| ३. | सिन्दुर | Vermilion (Red mercury sulphide) | | २ | |
| ४. | रसकपूर | Per-chloride of mercury | | ५ | |
| ५. | कपूर | Camphor | | २ | |
| ६. | चन्दन तेल | Santalum oil | | २ | |

निर्माण विधि :- सर्वप्रथम सिन्दुर, कपूर, पुष्पाञ्जन तथा रसकपूरको सूक्ष्म चूर्ण बनाउने । शतघाँत घृतमा उक्त चूर्ण तथा चन्दनको तेललाई एकनास संग मिसाएर उपयुक्त भाडोमा सुरक्षित राख्ने ।

उपयोग :- दाद, दद्रु, अग्निदरघ, अर्शा, शूल र जलन ।

मात्रा :- यथा आवश्यक वा चिकित्सकको सल्लाह अनुसार ।

प्याकिड :- १० ग्राम

सावधानी :- ब्राह्म प्रयोगको लागि मात्र ।



[Handwritten signature]
[Handwritten initials]

[Handwritten signature]
 पाली बजार, काठमाडौं
 सचिव

[Handwritten signature]
 का.मु प्रमुख सचिव



५. टंकण भस्म (Tankana bhashma)

सुचूर्णितं टङ्कणं तु खलु पत्रपलोन्मितम् । समुज्ज्वलोदरे क्षुद्रकटाहे विन्यसेत्ततः ॥
चुल्लिकायां निधायथ पचेद् दर्व्या प्रचालयन् । सुपुष्पितं नष्टनीरं शुद्धिमायाति टङ्कणम् ॥

रसतरंगिणी १३/७७-७८

*आयुर्वेदीय रसालय (सिद्धिचन्द्र मिश्र) वि.नं ७०१

घटक :-

| क्र.सं. | घटक | वैज्ञानिक नाम/अंग्रेजी नाम | प्रयोज्यता | भाग | प्रतिशत |
|---------|-------|----------------------------|------------|-----|---------|
| १. | टङ्कण | Borax | | १ | १०० |

निर्माण विधि :-

- सर्वप्रथम टंकणलाई चूर्ण बनाउने ।
- टंकणको चूर्णलाई फलामको कराहीमा चारैतिर आक्लो गरी फैलाएर तीब्रानिमा पाक गर्ने ।
- केहिबेर पछि टंकणमा चुन चुन आवाज आउन बालेपछि त्यसको जलीयाश सुक्न थाल्छ ।
- कराही बाट आवाज आउन छोडेपछि शुद्ध टंकणलाई संकलन गर्ने ।
- उक्त टंकण भस्मलाई सूक्ष्म चूर्ण बनाई उपयुक्त भाडोमा सुरक्षित साथ संकलन गर्ने ।

गुण :- अशमरी, अतिसार, कास, धास, आघमान, व्रण ।

मात्रा :- १-२ रत्ती वा चिकित्सकको सल्लाह अनुसार ।

प्याकिङ्ग :- ५ ग्राम

नोट :- शुद्ध टंकण लावा जस्तो हलुका तथा छेत वर्णको हुन्छ ।



[Handwritten signature]

[Handwritten signature]
श्री कृष्ण चन्द
उपनि

[Handwritten signature]
का.मु प्रमुख सचिव



६. बालामृत (Bālāmrita)

क्वाथ घटक :-

| क्र स | घटक | वैज्ञानिक नाम/अंग्रेजी नाम | प्रयोज्याङ्ग | भाग | प्रतिशत |
|-------|-----------|--|--------------|-----|---------|
| १. | यहीमधु | <i>Glycyrrhiza glabra</i> Linn. | काण्ड र मूल | ६ | १५ |
| २. | गुडूची | <i>Tinospora cordifolia</i> (Willd.) Miers | काण्ड | ६ | १५ |
| ३. | द्राक्षा | <i>Vitis vinifera</i> Linn. | शुष्क फल | ४ | १० |
| ४. | अश्वगन्धा | <i>Withania somnifera</i> Dunal | मूल | ४ | १० |
| ५. | अजमोदा | <i>Aplium graveolens</i> Linn. | फल | ३ | ७.५ |
| ६. | जीरक | <i>Cuminum cyminum</i> Linn. | फल | ३ | ७.५ |
| ७. | मिश्रैया | <i>Foeniculum vulgare</i> Mill. | फल | ३ | ७.५ |
| ८. | हरितकी | <i>Terminalia chebula</i> Retz. | फल | २ | ५ |
| ९. | बिडङ्ग | <i>Embellia ribes</i> Burm. f. | फल | २ | ५ |
| १०. | शुण्ठी | <i>Zingiber officinale</i> Roscoe | कन्द | २ | ५ |
| ११. | आमलकी | <i>Emblia officinalis</i> Gaertn. | फल | २ | ५ |
| १२. | जातीफल | <i>Myristica fragrans</i> Hautt. | बीज | २ | ५ |
| १३. | नागरमोवा | <i>Cyperus scariosus</i> R. Br. | कन्द | १ | २.५ |
| १४. | जल | Water | | ६४० | |

चास्नी घटक :-

| क्र स | घटक | वैज्ञानिक नाम/अंग्रेजी नाम | प्रयोज्याङ्ग | भाग | प्रतिशत |
|-------|--------|----------------------------|--------------|-----|---------|
| १. | शर्करा | Sugar Candy | | ८० | १०० |
| २. | जल | Water | | २० | |

निर्माण विधि :- क्वाथ घटक द्रव्यको यवकुट चूर्णलाई १६ गुणा पानीमा मन्दाग्निमा पकाएर चतुर्धाश क्वाथ बनाउने । स्वादशीत भएपछि छानेर सुरक्षित साथ संकलन गर्ने । चास्नी घटक द्रव्यलाई मन्दाग्निमा पकाएर अर्धश चास्नी बनाएर स्वादशीत हुनदिने । उक्त क्वाथ र चास्नीलाई एकनास मिसाएर सुरक्षित साथ उपयुक्त भाडोमा सङ्कलन गर्ने ।

आमयिक प्रयोग :- आनाह, अजीर्ण, उदर शुल, कब्जियत, आवर्तीत प्रतिश्याय र ज्वर । बालामृत बालकको समग्र विकासको लागि उपयोगी छ ।

6

का.मु. प्रमुख सचिव



AAUK



मात्रा :- निम्न मात्रा वा त्रिकित्सकको सल्लाह बमोजिम
०-६ महिना :- ६-१६ थोपा दिनको २ पटक
६ महिना-१ वर्ष :- १-२ एम एल दिनको २ पटक
१-४ वर्ष :- २-५ एम एल दिनको २ पटक
४ वर्ष माथि :- ५-१० एम एल दिनको २ पटक

प्याकिङ :- ३० एमएल





सत्यमेव जयते
सचिव


का.मु प्रमुख सचिव





७. महारासनादि क्वाथ (Mahārāsnaḍi kwātha)

रासना वातारिमूलञ्च वासकञ्च दुरालभम् । शटीदारुबलामुस्तानागरातिविषाडभयाः ॥
 छदंष्ट्रा व्याघ्रिघातञ्च मिसिधान्यपुनर्नवाः । अघ्नगन्धाऽमृता कृष्णा वृद्धदारुः शतावरी ॥
 क्वाथं सहचरधैव चविक्रा वृहतीद्वयम् । समभागान्त्रितैरेतै रासनाद्विगुणभागिकैः ॥
 कषायं पाययेत्सिद्धमष्टभागावशेषितम् । शुण्ठीचूर्णसमायुक्तामाभाघेन युतं तथा ॥
 अलम्बुषादिसंयुक्तमजमोदादिसंयुतम् । यथादोषं यथाव्याधिं प्रक्षेप कारयेद्विषकम् ॥
 सर्वेषु वातरोगेषु सन्धिभज्जगतेषु च । आनाहेषु च सर्वेषु सर्वांगानुसम्पिने ॥
 कुञ्जके वामने चैव पक्षाघाते तथाऽर्दिते । जानुजङ्घास्थिपीडासुगृध्रस्यां च हनुग्रहे ॥
 सर्वेषां पाचनानान्तु श्रेष्ठमेतद्धि पाचनम् । महारासनादिकं नाम प्रजापतिविनिर्मितम् ॥

भैषज्यरत्नावली आमवातरोगाधिकार २६-३३

क्वाथ घटकः-

| क्र.सं. | घटक | वैज्ञानिक नाम/अंग्रेजी नाम | प्रयोज्याङ्क | भाग | प्रतिशत |
|---------|------------|--|--------------|-----|---------|
| १. | रासना | <i>Pluchea lanceolata</i> C. B. Clarke | पत्राङ्क | ३ | १०.७१ |
| २. | परण्ड | <i>Ricinus communis</i> Linn. | मूल | १ | ३.५७ |
| ३. | वासा | <i>Adhatoda vasica</i> Nees | मूल | १ | ३.५७ |
| ४. | यवासा | <i>Ahagi pseudahagi</i> (Bieb.) Desv. | पत्राङ्क | १ | ३.५७ |
| ५. | शटी | <i>Hedychium spicatum</i> Ham. ex Smith | ऊन्द | १ | ३.५७ |
| ६. | देवदारु | <i>Cedrus deodara</i> (Roxb.) Loud. | काण्डसार | १ | ३.५७ |
| ७. | बला | <i>Sida cordifolia</i> Linn. | मूल | १ | ३.५७ |
| ८. | मुस्ता | <i>Cyperus rotundus</i> Linn. | ऊन्द | १ | ३.५७ |
| ९. | शुण्ठी | <i>Zingiber officinale</i> Roscoe | ऊन्द | १ | ३.५७ |
| १०. | अतिविषा | <i>Aconitum heterophyllum</i> Wall. ex Royle | मूल | १ | ३.५७ |
| ११. | हरितकी | <i>Terminalia chebula</i> Retz. | फल | १ | ३.५७ |
| १२. | गोधुर | <i>Tribulus terrestris</i> Linn. | फल | १ | ३.५७ |
| १३. | आरग्वध | <i>Cassia fistula</i> Linn. | फलमज्जा | १ | ३.५७ |
| १४. | मिश्रेया | <i>Foeniculum vulgare</i> Mill. | फल | १ | ३.५७ |
| १५. | घान्यक | <i>Coriandrum sativum</i> Linn. | फल | १ | ३.५७ |
| १६. | पुनर्नवा | <i>Boerhaavia diffusa</i> Linn. | पत्राङ्क | १ | ३.५७ |
| १७. | अघ्नगन्धा | <i>Withania somnifera</i> Dunal | मूल | १ | ३.५७ |
| १८. | गुडूची | <i>Tinospora cordifolia</i> (Willd.) Miers | काण्ड | १ | ३.५७ |
| १९. | पिप्पली | <i>Piper longum</i> Linn. | फल | १ | ३.५७ |
| २०. | वृद्धदारुक | <i>Argyreia speciosa</i> Sweet. | मूल | १ | ३.५७ |

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]





| | | | | | |
|-----|----------|------------------------------------|----------|-----|------|
| २१. | शतावरी | <i>Asparagus racemosus</i> Willd. | मूल | १ | ३.५७ |
| २२. | बचा | <i>Acorus calamus</i> Linn. | कन्द | १ | ३.५७ |
| २३. | सहचर | <i>Barleria prionitis</i> Linn. | पत्राङ्ग | १ | ३.५७ |
| २४. | चव्य | <i>Piper retrofractum</i> Vahl. | फल | १ | ३.५७ |
| २५. | बृहती | <i>Solanum indicum</i> Linn. | पत्राङ्ग | १ | ३.५७ |
| २६. | कण्टकारी | <i>Solanum surattense</i> Burm. f. | पत्राङ्ग | १ | ३.५७ |
| २७. | जल | Water | | ४४८ | |

निर्माण विधि :- क्वाथ घटक द्रव्यहरूको यककुट चूर्णलाई १६ गुणा पानीमा पकाएर अष्टमांश क्वाथ बनाउने र सफा कपडाले छानेर उपयुक्त भाडोमा सुरक्षित साथ सङ्कलन गर्ने ।

आमयिक प्रयोग :- वातरोग, अर्दित, कुब्ज, कम्प, आनाह, मज्जागतवात, सन्धिगतवात, हनुग्रह, गृध्रसी, पक्षघात ।

मात्रा :- १०-२० मि. ली. दिनको दुई पटक खानापछि वा चिकित्सकको सल्लाह अनुसार ।

प्याकिड :- ३०० एम एल




सजम सायन


का.मु प्रमुख सचिव





द. सेतो मलहम (Seto Malahama)

आयुर्वेद सार संग्रह

घटक :-

| क्र.सं. | घटक | वैज्ञानिक नाम/अंग्रेजी नाम | प्रयोग्याङ्क | भाग | प्रतिशत |
|---------|---------|---------------------------------|--------------|-----------------|---------|
| १. | तिल तेल | Sesame Oil | | ६४ | |
| २. | सर्जरस | <i>Shorea robusta</i> Gaertn.f. | निर्यास | १६ | |
| ३. | तुल्य | Copper Sulphate | | | |
| ४. | जल | Water | | पर्याप्त मात्रा | |

निर्माण विधि :- सर्वप्रथम एउटा कराहीमा मुच्छित तिलको तेल तताउने । तेलबाट धुँवा आउन थालेपछि राल र निलोतुल्यको सूक्ष्म चूर्ण मिसाएर तेललाई आगोबाट हटाउने । मिश्रणलाई सावधानी पूर्वक चलाई राख्ने र राल तेलमा पूर्णत घुलेपछि कपडाले छात्रे । स्वाङ्गशीत भएपछि थोरै पानी मिसाएर हातले मर्दन गर्ने र उक्त पानी फालेर नया पानी मिसाउने । उक्त प्रक्रियालाई मलहम सेतो रंगको नभए सम्म दोहोर्याउने । मलहमको रङ्ग सेतो भएपछि उपयुक्त भाडोमा सुरक्षित राख्ने ।

उपयोग :- मलद्वार-मुत्रेन्द्रिय सूजन र पाक, ज्वर, फुन्सी, अर्श, अग्निदग्ध ।

मात्रा :- यथा आवश्यक वा चिकित्सकको सल्लाह अनुसार ।

प्याकिङ :- १० ग्राम

सावधानी :- बाह्य प्रयोगको लागि मात्र ।






बडी सहायक सचिव
परिच


का.मु. प्रमुख सचिव



९. स्फटिक भष्म (Sphatika bhashma)

वहौं प्रोफुल्लयेत् किं वा सम्यल्लघुपुटे पचेत् । कुन्दवज्जायते भस्म सर्वगोरोषु योजयेत् ॥
स्फटिका निर्मला श्रेता श्रेष्ठा स्याच्छोधने क्वचित् । न दृष्टं शास्त्रतो, लोका बहवुन्फुल्लयन्ति हि ॥
भैषज्यरत्नावली शोधन मारण गुणादि प्रकरण ९४-९५

घटकः-

| क्र.सं. | घटक | वैज्ञानिक नाम/अंग्रेजी नाम | प्रयोज्याङ्ग | भाग | प्रतिशत |
|---------|--------|----------------------------|--------------|-----|---------|
| १. | स्फटिक | Potash alum | | | |

भष्म विधि १-

सर्वप्रथम स्फटिकलाई चूर्ण बनाउने ।

स्फटिकको चूर्णलाई फलामको कराहीमा चारैतिर बाक्लो गरी फैलाएर तीव्रग्निमा पाक गर्ने ।

केहिबेर पछि स्फटिक द्रवमा परिणत हुन्छ ।

द्रवलाई नसुकेसम्म मन्दग्निमा पाक गर्ने ।

स्फटिक सेतो रङ्गमा परिणत भएपछि सफा भाडोमा संकलन गर्ने ।

भष्म विधि २-

सर्वप्रथम स्फटिकलाई चूर्ण बनाउने ।

स्फटिक चूर्णलाई शरावसम्पुट गरेर लघु (कुङ्कुट) पुटमा पाक गर्ने ।

स्वांगशित भएपछि पुटबाट कुन्दफूल जस्तो सेतो वर्णको फिटकरी सफा भाडोमा संकलन गर्ने ।

उक्त स्फटिक भष्मलाई सूठम चूर्ण बनाएर उपयुक्त सफा भाडोमा सुरक्षित साथ संकलन गर्ने ।

प्रयोग :- रक्तसाव, रक्तपित्त, शोथ ।

मात्रा :- यथा आवश्यक वा चिकित्सकको सल्लाह अनुसार ।

प्याकिङ्ग :- ५ ग्राम



१०. हरियो मलहम (Hariyo Malahama)



आयुर्वेद सार संग्रह

घटक :-

| क्र.सं. | घटक | वैज्ञानिक नाम/अंग्रेजी नाम | प्रयोज्यता | भाग | प्रतिशत |
|---------|-------------|---------------------------------|------------|-----|---------|
| १. | सरला | <i>Pinus longifolia</i> Roxb. | निर्यास | २० | |
| २. | जांगल मांस | Wild animal flesh | | ४ | |
| ३. | साबुन | Soap | | ४ | |
| ४. | पद्मक्षर | Alkaline preparation from Lotus | | ६ | |
| ५. | पत्थर कोइला | Charcoal | | ४ | |

* पावट : सात

निर्माण विधि :- सर्वप्रथम सरलाको निर्यास मन्दग्निसमा पगालेर कपडाले छान्ने । अन्य सर्वे घटकको सूक्ष्म चूर्ण बनाएर त्यसमा मिसाउने । मिश्रणलाई सावधानी पूर्वक चलाएर स्वाइशीत हुनदिने । त्यस पछात मलमलाई भाडोमा सुरक्षित राख्ने ।

उपयोग :- ब्रण, विदारक, नाडीब्रण ।

मात्रा :- यथा आवश्यक वा चिकित्सकको सल्लाह अनुसार ।

प्याकिड :- १० ग्राम

सावधानी :- बाह्य प्रयोगको लागि मात्र ।





 डा. प्रकाश
 सहायक प्राध्यापक


 का.मु. प्रमुख सचिव



ख. अनुसूची

अनुसूची १. क्वाथ कल्पना

पनीयं षोडशगुणं क्षुण्णे द्रव्यपले क्षिपेत् । मृत्पात्रे क्वाथयेद् साहामष्टमांशावशेषितम् ॥
 तज्जलं पाययेद्दीमान्कोष्णं मृद्गरिनाधितम् । शृतः क्वाथः क्वाथश्च निर्युक्तः स निगद्यते ॥
 तैलं घृतं च पानीयं कषायं व्यञ्जनादिकम् । श्रुतशीतं पुनस्तमं तत्सर्वे विषवद् भवेत् ॥
 चतुर्गुणं मृदौ द्रव्ये अठिनेष्ट गुणे जलं । अत्यर्थं कठिने देयं बुधैः षोडशिकं मतम् ॥
 पाचनो दीपनीयश्च शोधनः शमनस्तथा । तर्पणः क्लेदनः शोषी क्वाथः सप्तविधो मृतः ॥

शाङ्गधर संहिता मध्यखण्ड २/१-३

निर्माण विधि:-

- आयुर्वेद ग्रन्थ, सूत्र वा आयुर्वेद विशेषज्ञको निर्देशनमा जडीबुटी वा जडीबुटी संयोजनहरू छनौट गर्ने ।
- प्रयोग गरिएका जडीबुटीहरूको गुणस्तर, प्रमाणिकता र शुद्धता सुनिश्चित गर्ने ।
- उल्लेखित जडीबुटीको थक्का चूर्ण तयार गर्ने ।
- चूर्णलाई सफा फलाम वा स्टिलको भाँडोमा राख्ने ।
- जडीबुटीका प्रकारहरूमा आधारित भाएर सामान्यतया १:४, १:६, १:८, १:१६, १:३२ को अनुपातमा वा निर्देशानुसार पानी लिने ।
- मिश्रणको भाँडो नद्धोपी चतुर्थांश पानी शेष (वा निर्देशानुसार) नरहुनजेल मन्दारिनिमा पकाउने ।
- भाँडोलाई आगोबाट उतारेर स्वराशित हुन दिने ।
- मिश्रणलाई सफा कपडाले छान्ने र सफा भाँडोमा क्वाथ सङ्कलन गर्ने ।

श्री. कृष्णदत्त खड्का
 सचिव

का.मु प्रमुख सचिव





अनुसूची २. सन्धान

निर्माण विधि :- भारत भैषज्यरत्नाकर पेज न ६९

१. आसव अरिष्ट सन्धान क्रिया साधारणतया भाटोको भाडोमा गर्ने उल्लेख पाइन्छ तर कुनै सन्दर्भमा स्वर्ण पात्रको पनि उल्लेख पाइन्छ । तर आजकल Stainless steel को भाडोको प्रयोग गर्ने गरिन्छ ।
२. सन्धान पात्रलाई भित्रबाट घ्यु लगाएर चिल्लो पार्ने तथा धयेरो फुल र लोघ कल्कको लेप लगाएर घाममा सुक्न दिने ।
३. उक्त पात्रमा क्वाथ हेतु जलमा मिश्रित गुड, मधु र औषधिको चूर्ण आदि राखेर पात्रको मुखलाई शराबले राम्रोसंग बन्द गरेर त्यस माथी कपडमिठी गरेर उक्त पात्रलाई भूमिगत वा निर्वात स्थानमा १५-३० दिन सम्म छोडिदराख्ने ।
४. त्यसपछि आसव-अरिष्ट परीक्षोपरान्त छानेर उपयुक्त भाडोमा सुरक्षित राख्ने ।

परीक्षण विधि :- भैषज्यरत्नावली पेज न २०३

१. सन्धान पात्रको मुख खोल्न पूर्व नै उक्त पात्रबाट मद्य जस्तो गन्ध आउन थाल्दछ ।
२. सन्धान पात्रको बाहिरबाट कान थापेर सुन्दा बुद बुद वा सन् सन् आवाज आयो भने आसव अरिष्ट परिपक्व भएको बुझिन्छ ।
३. सन्धान पात्रको मुख खोलेर सलाईको काँटी बालेर पात्र भित्र लैजाने यदि आगो बलिरह्यो भने सन्धान क्रिया पूर्ण र निम्नो भने सन्धान क्रिया अपूर्ण भन्ने बुझिन्छ ।
४. गन्ध, वर्ण, मद्य सम्यकपूर्वक उत्पन्न भैसकेपछि आसव अरिष्ट तयार भएको बुझनुपर्छ ।

बशी बहादुर राय
सचिव

का.मु प्रमुख सचिव





अनुसूची ३. चास्नी

निर्माण विधि :- एउटा सफा स्टिलको भाडोमा द्रव द्रव्य (पानी, स्वरस वा क्वाथ) र गड वा मिश्री लिएर मन्दाग्निमा पकाउने । मिश्रण गाढा भएपछि परिक्षोपरान्त अग्नीबाट निकाल्ने ।

परीक्षा विधि :-

१. मिश्रणलाई बुढि औला र चौर औलाको विचमा राखेर दुई औलाहरूलाई फड्याउने । यस्तो गर्दा जति तार बन्छ त्यति तारको चास्नी तयार भएको भनिन्छ । तार नबनेको खण्डमा गुडको मिश्रणलाई फेरी पकाउनु पर्दछ ।
२. एउटा पानी भरिएको कचौरामा चास्नीको १०-२० थोपा खसाल्ने । यस्तो गर्दा उक्त थोपाहरू नफैलिएमा र ठोस नभएमा चास्नी तयार भएको भनिन्छ ।
३. एउटा सुख्खा कचौरामा थोरै चास्नी राखेर १०-२० मिनेट राखिदोइने । त्यसपश्चात बुढि औलाले दबाउदा त्यसमा औलाको छाप बसेमा चास्नी तयार भएको भनिन्छ ।

बारी बजार, सप्तरी
जिला

का.मु. प्रमुख सचिव





अनुसूची ४. शतघौतघृत

शतघौतघृतम् क्ली। यत् पुनःपुनः सन्ताप्य शीताम्भसा निर्वाप्यते तथाविध सर्पिणि। शतं वारान् शीततोयेन घौतं फेनितं घृतम् इति ईशानदेवः ।

वैद्यकशास्त्रसिन्दुकारः

* वैद्यकशास्त्रसिन्दुकारः विज्ञान विद्यापीठम्, दिल्ली

घटक :-

| क्र स | घटक | वैज्ञानिक नाम/अंग्रेजी नाम | प्रयोज्यता | भाग | प्रतिशत |
|-------|-------|----------------------------|------------|-----|---------|
| १. | गोघृत | Cow ghee | | १ | १०० |
| २. | जल | Water | | २ | |

निर्माण विधि :- एउटा स्टेनलेस स्टीलको भाडोमा घ्यूलाई चिसो पानीमा मिसाएर हाथले घोट्ने । यस प्रकृत्याले घ्यू पानी माथि क्रिम जस्तो भएर फुलेपछि पानी फालेर अर्को चिसो पानी राखेर पुनः माथिको प्रकृत्यालाई दोहोर्याउने । यसरी ६-७ पटक सम्म गरेपछि घ्यू फुल्ल छोड्छ । यो प्रकृत्यालाई १०० पटक सम्म दोहोर्याउने ।




 श्री बहादुर खड्का
 सचिव


 का.मु. प्रमुख सचिव





ग. सन्दर्भ सामाग्री

1. Acharya Priyavarta Sharma, Chaukhamba Bharati Academy; 2011. Dravyaguna Vigyan Vol-I.
2. Acharya Priyavarta Sharma, Chaukhamba Bharati Academy; 2011. Dravyaguna Vigyan Vol-II.
3. Acharya Priyavarta Sharma, Chaukhamba Bharati Academy; 2011. Dravyaguna Vigyan Vol-III.
4. Acharya Priyavarta Sharma, Chaukhamba Bharati Academy; 2011. Dravyaguna Vigyan Vol-IV.
5. Acharya PV Sharma and Dr GP Sharma, Chaukhamba Orientalia, 2006. Kalyadev Nighantu of Kaiyadev.
6. Department of Ayurveda, Ministry of Health and Population, Govt. of Nepal; 2067. The Ayurvedic Formulary of Nepal Part I.
7. Department of Ayurveda; 2007. Essential Ayurveda Drug List for Different Level of Ayurveda Institutions.
8. Dr GS Acharya, Chaukhamba Sanskrit Pratishthan, Panichakarma Illustrated.
9. Dr Indradev Tripathi, Chaukhamba Sanskrita Bhawan, 2005. Chakradatta of Chakrapani.
10. Dr K Nishteswar and Dr R Vidyath, Chaukhamba Sanskrit Series Office, 2017. Sahasrayogam of Anonymous author.
11. Dr Pulak Kanti Kar, Chhonya, 2012. Mechanism of Panchakarma and its module of Investigation.
12. Dr Siddhinandan Mishra, Chaukhamba Orientalia, 2002. Ayurvediya Rasashastra.
13. Dr. Brahmanand Tripathi, Chaukhamba Sanskrit Pratishthan; 2007. Ashtangahridayam of Vagbhata.
14. Dr. Brahmanand Tripathi, Chaukhamba Subharati Prakashan; 2016. Sharangdher Samhita of Sharangdhar.
15. Government of India, Ministry of Health and Family Welfare, Department of Ayush, 2008. The Ayurvedic Pharmacopoeia of India, Part I, Vol I, First edition.
16. Government of India, Ministry of Health and Family Welfare, Department of Ayush, 2008. The Ayurvedic Pharmacopoeia of India, Part I, Vol II, First edition.
17. Government of India, Ministry of Health and Family Welfare, Department of Ayush, 2008. The Ayurvedic Pharmacopoeia of India, Part I, Vol III, First edition.
18. Government of India, Ministry of Health and Family Welfare, Department of Ayush, 2008. The Ayurvedic Pharmacopoeia of India, Part I, Vol IV, First edition.
19. Government of India, Ministry of Health and Family Welfare, Department of Ayush, 2008. The Ayurvedic Pharmacopoeia of India, Part I, Vol V, First edition.
20. Government of India, Ministry of Health and Family Welfare, Department of Ayush, 2008. The Ayurvedic Pharmacopoeia of India, Part I, Vol VI, First edition.
21. Government of India, Ministry of Health and Family Welfare, Department of Ayush, 2008. The Ayurvedic Pharmacopoeia of India, Part I, Vol VII, First edition.
22. Government of India, Ministry of Health and Family Welfare, Department of Ayush, 2011. The Ayurvedic Pharmacopoeia of India, Part I, Vol VIII, First edition.
23. Government of India, Ministry of Health and Family Welfare, Department of Ayush, 2016. The Ayurvedic Pharmacopoeia of India, Part I, Vol IX, First edition.
24. Government of India, Ministry of Health and Family Welfare, Department of Ayush, 2008. The Ayurvedic Pharmacopoeia of India, Part II, Vol I, First edition.
25. Government of India, Ministry of Health and Family Welfare, Department of Ayush, 2008. The Ayurvedic Pharmacopoeia of India, Part II, Vol II, First edition.
26. Government of India, Ministry of Health and Family Welfare, Department of Ayush, 2008. The Ayurvedic Pharmacopoeia of India, Part II, Vol III, First edition.






का.मु. प्रमुख सचिव





27. Government of India, Ministry of Health and Family Welfare, Department of Ayush, 2008. The Ayurvedic Pharmacopoeia of India, Part I, Vol I-VII, First edition.
28. HMG Nepal; 2001. Medicinal Plants of Nepal-Bulletin of the Department of Medicinal Plants No 3.
29. Kaviraj Dr Ambikadatta Shastri, Chaukhamba Sanskrit Sansthan, 2007. Sushruta Samhita of Acharya Sushruta Part I.
30. Kaviraj Dr Ambikadatta Shastri, Chaukhamba Sanskrit Sansthan, 2007. Sushruta Samhita of Acharya Sushruta Part II.
31. Keshab Shrestha, Mandala Book Point, 1998. Dictionary of Nepalese Plant Names.
32. Pandit Kashinath Shastri & Dr. Gorakhnath Chaturvedi, Chaukhamba Bharati Academy; 2002. Charaka Samhita of Agnivesa Part I.
33. Pandit Kashinath Shastri & Dr. Gorakhnath Chaturvedi, Chaukhamba Bharati Academy; 2002. Charaka Samhita of Agnivesa Part II.
34. Premvati Tiwari, Chaukhamba Orientalia; 2011. Ayurvediya Prasuti Tantra Evam Stri Roga Part I.
35. Premvati Tiwari, Chaukhamba Orientalia; 2011. Ayurvediya Prasuti Tantra Evam Stri Roga Part II.
36. Prof. Dr AK Sharma, Chaukhamba Orientalia; 2017. Kayachikitsa Parts II.
37. Prof. Krishnachand Chunekar, Chaukhamba Bharati Academy; 2010. Bhavprakash Nighantu.
38. Prof. Siddhinandan Mishra, Chaukhamba Subharati Prakashan; 2017. Bhaishajyaratnavali of Gobinda Das Sen.
39. Shree Dhootpapeshwar. Suvarnakaipana.
40. Shree Nagindas Chhaganlal Shah, B. Jain Publishers Pvt. Ltd.; 2005. Bharat Bhaishajya Ratnakar Part I.
41. Shree Nagindas Chhaganlal Shah, B. Jain Publishers Pvt. Ltd.; 2005. Bharat Bhaishajya Ratnakar Part II.
42. Shree Nagindas Chhaganlal Shah, B. Jain Publishers Pvt. Ltd.; 2005. Bharat Bhaishajya Ratnakar Part III.
43. Shree Nagindas Chhaganlal Shah, B. Jain Publishers Pvt. Ltd.; 2005. Bharat Bhaishajya Ratnakar Part IV.
44. Shree Nagindas Chhaganlal Shah, B. Jain Publishers Pvt. Ltd.; 2005. Bharat Bhaishajya Ratnakar Part V.
45. Shree Vaidyanath Ayurveda Bhawan Ltd ; 2014. Ayurveda Sara Sangraha.
46. Shrisatyopal Bhisagacharya, Chaukhamba Sanskrit Sansthan; 2006. Kashyap Samhita of Acharya Kashyap.
47. Vaidya Haridas Shreedhar Kasture, Shree Vaidyanath Ayurveda Bhawan Ltd, 2007. Ayurvediya Panchakarma Vigyan.
48. Vaidya Shreelaxmipati Shastri, Chaukhamba Prakashan, 2009. Yogratanakar of Anonymous author.
49. www.archive.org




 श्री ब्रह्मचर्य सन्तान
 संस्थान


 का.मु प्रमुख सचिव





1. Name of the Candidate: **AAUK**
 2. Name of the Candidate: **AAUK**
 3. Name of the Candidate: **AAUK**
 4. Name of the Candidate: **AAUK**
 5. Name of the Candidate: **AAUK**
 6. Name of the Candidate: **AAUK**
 7. Name of the Candidate: **AAUK**
 8. Name of the Candidate: **AAUK**

AAUK

बिल्वदि चूर्ण
Bilwadi Churna

Mfg. Date: _____
 Exp. Date: _____
 Batch No.: _____

1. Name of the Candidate: **AAUK**
 2. Name of the Candidate: **AAUK**
 3. Name of the Candidate: **AAUK**
 4. Name of the Candidate: **AAUK**
 5. Name of the Candidate: **AAUK**
 6. Name of the Candidate: **AAUK**
 7. Name of the Candidate: **AAUK**
 8. Name of the Candidate: **AAUK**

Handwritten signature

1. Name of the Candidate: **AAUK**
 2. Name of the Candidate: **AAUK**
 3. Name of the Candidate: **AAUK**
 4. Name of the Candidate: **AAUK**
 5. Name of the Candidate: **AAUK**
 6. Name of the Candidate: **AAUK**
 7. Name of the Candidate: **AAUK**
 8. Name of the Candidate: **AAUK**

1. Name of the Candidate: **AAUK**
 2. Name of the Candidate: **AAUK**
 3. Name of the Candidate: **AAUK**
 4. Name of the Candidate: **AAUK**
 5. Name of the Candidate: **AAUK**
 6. Name of the Candidate: **AAUK**
 7. Name of the Candidate: **AAUK**
 8. Name of the Candidate: **AAUK**

Handwritten mark

Handwritten signature

Handwritten mark




अश्वगंधा चूर्ण
 (Ashwagandha Churna)

100% शुद्ध
 100% शुद्ध

100% शुद्ध
 100% शुद्ध

100% शुद्ध
 100% शुद्ध

100% शुद्ध
 100% शुद्ध




100% शुद्ध
 100% शुद्ध


 100% शुद्ध
 100% शुद्ध



AAUK by IITR
त्रिफला चूर्ण
Triphala Churna
(Shreeharidra)

Mfg. Date: _____
 Exp. Date: _____
 Batch No: _____
 Net Wt: _____

ॐ श्री गणेशाय नमः
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ श्री गणेशाय नमः
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय


का. म. प. मि. स. यंत्र


का. म. प. मि. स. यंत्र









AAUK १००th ANNIVERSARY
निम्बादि चूर्ण
(Nimbadi Churna)
Nimbadi Churna

AAUK is an ISO 9001:2015 certified quality management system. For details, visit www.aauk.ac.in

AAUK
१००th ANNIVERSARY
निम्बादि चूर्ण
(Nimbadi Churna)
Nimbadi Churna

AAUK is an ISO 9001:2015 certified quality management system. For details, visit www.aauk.ac.in

AAUK
१००th ANNIVERSARY
निम्बादि चूर्ण
(Nimbadi Churna)
Nimbadi Churna

AAUK is an ISO 9001:2015 certified quality management system. For details, visit www.aauk.ac.in

Dr. V. S. P.

निम्बादि चूर्ण
निम्बादि चूर्ण
निम्बादि चूर्ण

निम्बादि चूर्ण
निम्बादि चूर्ण
निम्बादि चूर्ण

निम्बादि चूर्ण
निम्बादि चूर्ण

निम्बादि चूर्ण
निम्बादि चूर्ण



ಆವಿಪತಿಕರ್ ಚುಮಾ
Avipatikar Chuma
 (ಅವಿಪತಿಕರ್)
AAUK

ಅವಿಪತಿಕರ್ ಚುಮಾ
Avipatikar Chuma

ಅವಿಪತಿಕರ್ ಚುಮಾ
Avipatikar Chuma

ಅವಿಪತಿಕರ್ ಚುಮಾ
Avipatikar Chuma

| |
|--------------------------------|
| ಸಂಖ್ಯೆ: _____ ದಿನಾಂಕ: _____ |
|--------------------------------|

ಪ್ರತಿ ಸಹಾಯಕ ನಿರ್ದೇಶಕರಿಗೆ
ಕರ್ನಾಟಕ ರಾಜ್ಯ ಸರ್ಕಾರ
ಬೆಂಗಳೂರು

ಪ್ರತಿ ಸಹಾಯಕ ನಿರ್ದೇಶಕರಿಗೆ
ಕರ್ನಾಟಕ ರಾಜ್ಯ ಸರ್ಕಾರ
ಬೆಂಗಳೂರು

ಪ್ರತಿ ಸಹಾಯಕ ನಿರ್ದೇಶಕರಿಗೆ
ಕರ್ನಾಟಕ ರಾಜ್ಯ ಸರ್ಕಾರ
ಬೆಂಗಳೂರು

ಪ್ರತಿ ಸಹಾಯಕ ನಿರ್ದೇಶಕರಿಗೆ
ಕರ್ನಾಟಕ ರಾಜ್ಯ ಸರ್ಕಾರ
ಬೆಂಗಳೂರು



AAUK
सितोपलादि चूर्ण
 (शुद्ध चूर्णित) / **Sitopaladi Churna**

AAUK (All India Ayurvedic University) is a leading research and development organization in the field of Ayurveda. It is dedicated to the preservation, promotion, and advancement of Ayurvedic knowledge and practices. The organization is committed to providing high-quality Ayurvedic products and services to the people of India and the world.

AAUK is a leading research and development organization in the field of Ayurveda. It is dedicated to the preservation, promotion, and advancement of Ayurvedic knowledge and practices. The organization is committed to providing high-quality Ayurvedic products and services to the people of India and the world.

AAUK is a leading research and development organization in the field of Ayurveda. It is dedicated to the preservation, promotion, and advancement of Ayurvedic knowledge and practices. The organization is committed to providing high-quality Ayurvedic products and services to the people of India and the world.

[Handwritten signature]
 सती चतुर्दश सुखली
 जीव

[Handwritten signature]
का.मु प्रमुख सचिव

[Handwritten signature]
 सती चतुर्दश सुखली
 जीव



प्रास्ताविक क्रमांक: (M.Ashwagandha Churna) २०२४

AAUK २०२४ मध्ये

अश्वगन्धा चूर्ण (Ashwagandha Churna)

कार्याची वेळ: सकाळी ८ वाजता
दि. १५/०६/२०२४ रोजी

किती संशोधने १. यशिता चिप
प्रयोग प्रदर्शित

स्तर १. जीवशास्त्र, कर्नाटक

आयुर्वेद



आयुर्वेद अश्वगन्धा चूर्ण
प्रयोग प्रदर्शित

संस्था: १.५.२०२४ मध्ये १०० संशोधन प्रयोग प्रदर्शित

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]
आयुर्वेद अश्वगन्धा चूर्ण
प्रयोग प्रदर्शित

का.मु. प्रमुख सचिव



ವಿಷಯ ಸಂಖ್ಯೆ: _____
 ಸಂಖ್ಯೆ: _____
 ದಿನಾಂಕ: _____

AAUK

You are

आमलकी चूर्ण
 (Amalaki Churna)
Amalaki Churna

ಇದನ್ನು ಉಪಯೋಗಿಸಿ
 ನಿಮ್ಮ ಆರೋಗ್ಯವನ್ನು
 ಸುಸ್ಥಿರಗೊಳಿಸಿ.

ಪ್ರಮಾಣಿತ



ಇದನ್ನು ಉಪಯೋಗಿಸಿ
 ನಿಮ್ಮ ಆರೋಗ್ಯವನ್ನು
 ಸುಸ್ಥಿರಗೊಳಿಸಿ.

ಇದನ್ನು
 1-1 ಗ್ರಾಂ ಪಿಲ್ಲುಗಳಲ್ಲಿ ಉಪಯೋಗಿಸಿ
 ಅಥವಾ 1-1 ಗ್ರಾಂ ಪಿಲ್ಲುಗಳಲ್ಲಿ ಉಪಯೋಗಿಸಿ

Handwritten signature/initials.

Handwritten signature/initials.

Handwritten signature/initials.

Handwritten text: ಸರ್ಕಾರಿ ಆರೋಗ್ಯ ಇಲಾಖೆ

Handwritten signature/initials and text: ಸರ್ಕಾರಿ ಆರೋಗ್ಯ ಇಲಾಖೆ